भ्रष्टाचार कागजों में हरी घास, जमीन पर सूखा सच, ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक-1 में भ्रष्टाचार का पंचनामा

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक-1 इन दिनों भ्रष्टाचार, अनियमितता और प्रशासनिक संरक्षण का जीता-जागता उदाहरण बन चुकी है। पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी राशि के दुरुपयोग, फर्जी भुगतान, अधूरे कार्यों को पूर्ण बताकर राशि आहरण और शिकायतों को दबाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर योजनाओं की राशि खुलेआम बंदरबांट की जा रही है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी मौन साधे हुए हैं।

ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक-1 में सामने आए ताजा मामलों ने यह साबित कर दिया है कि यहां सरकारी योजनाएं अब जनहित का माध्यम नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का जरिया बन चुकी हैं। पंचायत में कागजों पर विकास कार्य पूरे दिखाए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से योजनाओं का पैसा निकालकर बंदरबांट किया जा रहा है, जबकि संबंधित अधिकारी जांच के नाम पर सिर्फ लीपापोती कर रहे हैं।

कागजों में उगी घास, गौशाला में भूखी गौमाता

ग्राम पंचायत के सिद्धबाबा प्यारी स्थित गौशाला परिसर में चारागाह विकास के नाम पर बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है। गौमाता के लिए चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु शासन द्वारा 4 लाख 32 हजार 180 रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इस राशि का उद्देश्य गौशाला के आसपास चारागाह विकसित कर हरा चारा उपलब्ध कराना था, ताकि गौवंश को भोजन के लिए भटकना न पड़े।

लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार फाइलों में तो चारागाह विकसित कर हरी-भरी घास उगा

दी गई, पर धरातल पर आज भी गौशाला के आसपास चारे का नामोनिशान नहीं है। गौमाता आज भी एक-एक तिनके के लिए भटक रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे मामले में पंचायत स्तर से लेकर जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों तक की मिलीभगत है, जिसके चलते अब तक न तो राशि की वसूली हुई और न ही दोषियों पर कोई कार्रवाई। ग्रामीणों का ये भी आरोप है कि सीएम हेल्पलाइन जैसे संवेदनशील प्लेटफॉर्म का उपयोग भी अब भ्रष्टाचार छिपाने और शिकायतों को दबाने के लिए किया जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन में भी नहीं मिला न्याय

ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार की शिकायत जब ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन तक पहुंचाई, तब भी न्याय नहीं मिला। उल्टा शिकायत निवारण प्रणाली को ही मजाक बना दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में 5वें वित्त आयोग की राशि ग्रामसभा और पंचायत की स्वीकृति के बिना मनमाने तरीके से निकाली जा रही है। इस संबंध में दर्ज सीएम हेल्पलाइन शिकायत क्रमांक 36843990 इसका बड़ा उदाहरण है। शिकायतकर्ता के अनुसार इस प्रकरण में पहले जो समाधान दर्ज किया गया था, उसे उच्च स्तर पर अमान्य कर दिया गया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिला स्तर के अधिकारियों ने उसी अमान्य समाधान को दोबारा मान्य मानते हुए शिकायत को जबरन 'फोर्स क्लोज' कर दिया।

यह मामला सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि शिकायत निवारण प्रणाली के साथ खुला खिलवाड़ माना जा रहा है। लेकिन वास्तविक स्थिति यह है कि संबंधित स्थल पर आज तक तालाब निर्माण का कोई कार्य शुरू ही नहीं हुआ। न मिट्टी की खुदाई हुई, न कोई संरचना बनी, फिर भी योजना के नाम पर 50 हजार रुपये की राशि निकाल ली गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना कार्य किए भुगतान कर दिया गया और अब कागजों में काम पूरा दिखाने की तैयारी की जा रही है।

कुछ इस तरह की हैं मांगें

ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक-1 के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले में तत्काल निष्पक्ष जांच टीम गठित की जाए, सभी विकास कार्यों की भौतिक सत्यापन जांच कराई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि जिला प्रशासन एक अधिकृत प्रेस नोट जारी कर यह स्पष्ट करे कि पंचायत में क्या सही हुआ, क्या गलत हुआ और किन मामलों में कार्रवाई प्रस्तावित है।

खेत तालाब योजना में भी फर्जीवाड़ा

ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक-1 में भ्रष्टाचार का एक और मामला खेत तालाब योजना में सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2023 में संतोष कुमार के नाम पर खेत तालाब निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। योजना के तहत खेत में तालाब निर्माण होना था, जिससे किसान को सिंचाई सुविधा मिल सके।

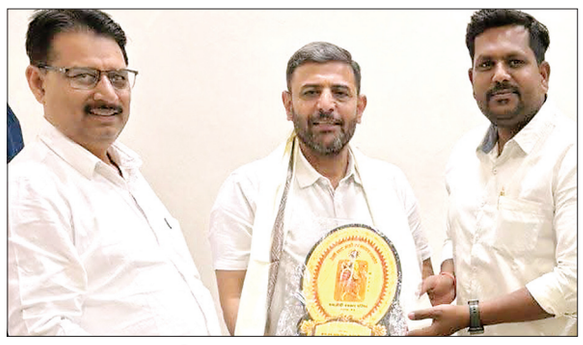

न्यायाधीश गंगा चरण दुबे को समाजसेवियों ने दी भावभीनी विदाई

कोतमा/अनूपपुर। कोतमा न्यायालय में पदस्थ जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंगा चरण दुबे के पदोन्नति उपरांत कुटुंब न्यायालय में स्थानांतरण होने पर द्वारिका गेस्ट हाउस, कोतमा कॉलरी में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलिंटियर्स एवं स्थानीय समाजसेवियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाजसेवी भगवान दास मिश्रा, बी.एन. ओझा, चंदन केवट एवं दुर्गा यादव सहित अन्य उपस्थितजनों ने न्यायाधीश दुबे के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में भावुक होते हुए न्यायाधीश गंगा चरण दुबे ने कहा कि कोतमा में उनका 8 माह 10 दिन का कार्यकाल बेहद यादगार रहा। उन्होंने कहा, 'जब मैंने कोतमा की पावन धरा पर कदम रखा, तब मेरे मन में कर्तव्यों और चुनौतियों को लेकर संकल्प था, लेकिन यह नहीं जानता था कि यह सफर रिश्तों की खूबसूरत डोर में बदल जाएगा। कोतमा केवल मेरा कार्यस्थल नहीं रहा, बल्कि मेरा दूसरा घर बन गया।' उन्होंने आगे कहा कि यहां उन्हें न्यायिक कार्य के साथ-साथ लोगों की उम्मीदों और विश्वास को समझने का अवसर मिला।

पश्चिम बंगाल में 'कमल' खिलने पर दीपावली जैसा माहौल

मंत्री दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में उमड़ा जनसैलाब

कोतमा, नवभारत 5 मई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के ऐतिहासिक परिणामों ने पूरे देश सहित मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में भी उत्साह की लहर दौड़ दी है। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत और पहली बार सरकार बनाने की स्पष्ट संभावनाओं के बीच, कोतमा के गांधी चौक पर कुटीर एवं लघु उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में एक विशाल विजय उत्सव मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने इसे 'लोकतंत्र की नई सुबह' बताते हुए आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण के साथ अपनी खुशी जाहिर की।

बंगाल में अंततः परिवर्तन की लहर

विजय जुलूस को संबोधित करते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने भावुक होते हुए कहा कि बंगाल की जनता ने सालों के इंतजार के बाद अपनी असली आजादी की लड़ाई जीती है। 'यह केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि बंगाल की अस्मिता और 'सोनार बांग्ला' के सपने की जीत है। भाजपा का 204 से अधिक सीटें जीतना यह दर्शाता है कि जनता अब तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की बेड़ियों को तोड़ चुकी है।

जीत के तीन स्तंभ: मोदी का मार्गदर्शन, शाह की नीति और संगठन की शक्ति

मंत्री जायसवाल ने इस जीत का श्रेय केंद्रीय नेतृत्व को देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति बंगाल की जनता का अटूट विश्वास, गृह मंत्री अमित शाह की अचूक 'चाणक्य नीति' और राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन के कुशल सांगठनिक कौशल ने इस असंभव कार्य को संभव कर दिखाया है।

रक्तदान महादान: शिव मारुति युवा संगठन का सराहनीय संकल्प

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय शिव मारुति युवा संगठन द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर 8 मई शुक्रवार को श्री शिव मारुति मंदिर सामतपुर परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मानव सेवा और समाजहित की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और आमजन, विशेष रूप से युवाओं के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संगठन के सदस्यों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहयोग करें।

लोकायुक्त डीएसपी ने सीएमओ के कार्यालय से जब्त किये दस्तावेज

जैतहरी नप में निर्माण कार्यों में अनियमितता

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की नगरपरिषद जैतहरी में मंगलवार को लोकायुक्त रीवा डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना निर्माण कार्यों में अनियमितता की जांच की। इस दौरान उन्होंने सीएमओ कार्यालय से संबंधित दस्तावेज जब्त किए और सीएमओ भूपेंद्र सिंह का बयान भी दर्ज किया।

डीएसपी परिहार नगर परिषद में लगभग एक घंटे तक छानबीन की। उन्होंने बताया कि यह जांच वित्तीय अनियमितता और निर्माण कार्यों में नियमों का पालन न करने

की शिकायत से संबंधित है। फिलहाल इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, जांच पूरी होने और सत्यता पाए जाने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। लोकायुक्त डीएसपी ने शिकायतकर्ता का नाम उजागर नहीं किया। नगर परिषद जैतहरी के सीएमओ भूपेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री अधोसंरचना के तहत निर्माण कार्य का ठेका शिव महिमा कंस्ट्रक्शन कंपनी रीवा को दिया गया था। कंपनी ने निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा नहीं किया, जिसके बाद नगर परिषद ने 3-4 बार नोटिस जारी किए। संतोषजनक जवाब न मिलने और काम पूरा न होने पर नगर परिषद ने कंपनी की लगभग 10 लाख रुपये की अमानत राशि जब्त कर ली।

9 प्रतिशत बिलों पर ठेका मिला था

सीएमओ के अनुसार, कंपनी ने आरोप लगाया है कि नगर परिषद ने बिना किसी नियम और सूचना के अमानत राशि जब्त की है, जिसकी शिकायत की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि इस काम के लिए पहले 9 प्रतिशत बिलो पर ठेका मिला था, जबकि बाद में दूसरी निविदा पर 2 प्रतिशत बिलो पर कार्यादेश जारी हुए थे। जांच के बाद लोकायुक्त डीएसपी रीवा वापस लौट गए हैं। इस दौरान जांच से संबंधित दस्तावेज और बयान दर्ज किए गए हैं।

एक नजर में

अवैध कोयला परिवहन करते वाहन समेत दो आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। बिजुरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनिज परिवहन के खिलाफप्रभावी कार्रवाई करते हुए कोयले से भरे ओमनी वाहन को जप्त कर दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार 5 मई को मुखबिर से सूचना मिली कि एक वाहन में अवैध रूप से कोयला परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने वाहन क्रमांक सीजी 04 टी 4439 को रोककर जांच की। जांच के दौरान वाहन में 32 बोरी कोयला पाया गया, जिसके संबंध में चालक द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस ने मौके पर ही कोयला एवं वाहन को जप्त कर लिया। मामले में चालक खूबलाल कोल 19 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 11 बिजुरी तथा वाहन मालिक याकूब 36 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 11 बिजुरी के खिलाफधारा 303(2) बीएनएस एवं खनिज अधिनियम की धारा 4/21 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

जनसुनवाई में 62 आवेदकों की सुनीं गईं समस्याएं

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने कुल 62 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनूपपुर कमलेश पुरी, डिप्टी कलेक्टर प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे और आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। तहसील अनूपपुर के ग्राम छिल्पा निवासी कमलाबाई ने विधवा पेंशन एवं पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने की मांग की। ग्राम मौहरी निवासी शंकर रावत ने विद्युत कनेक्शन, नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के जाकिर हुसैन ने संबल कार्ड एवं ई-केवाईसी, वार्ड क्रमांक 2 अनूपपुर के बृजेश जाधो ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार ग्राम खांड़ा निवासी बैसखिया ने हाथी द्वारा मकान क्षतिग्रस्त होने पर सहायता राशि, ग्राम मलगा (कोतमा) निवासी प्यारेलाल ने नामांतरण एवं बंटवारा तथा ग्राम छिल्पा निवासी बेला बाई बैगा ने भूमि पट्टा दिलाने की मांग रखी। सीईओ जिला पंचायत ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजनगर में हवा-बारिश के साथ बिजली गुल

राजनगर, नवभारत, 5 मई। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में हल्की हवा और बारिश होते ही बिजली व्यवस्था चरमराने लगती है। क्षेत्र के कालरी कॉलोनी सहित नगरवासियों को आज भी कोलरी की बिजली पर निर्भर रहना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल (एमपीईबी) द्वारा राजनगर और आसपास के कोयला खदान क्षेत्रों को बिजली आपूर्ति की जाती है, लेकिन वर्तमान हालात बेहद खराब बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, जैसे ही मौसम खराब होता है, घंटों तक बिजली गायब रहती है। यह समस्या सिर्फराजनगर तक सीमित नहीं है, बल्कि सेमरा, आमाडांड, बरतराई, पिपरहा और फुलवारी टोला जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही स्थिति बनी हुई है। बार-बार मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती होने के बावजूद सुधार नहीं दिख रहा है।

मजदूर की मौत, शव रखकर किया प्रदर्शन

मुआवजा एवं नौकरी के आश्वासन के बाद माने आक्रोशितजन

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी में स्थित एमबी पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक मजदूर की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। परिजन ने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही और मामले को दबाने का आरोप लगाते हुए प्लांट के गेट पर शव रखकर नौकरी और मुवावजा की मांग कर विरोध प्रदर्शन किया। जिस पर कंपनी ने नियमानुसार मुवावजा एवं नौकरी का अश्वासन दिया जिसके बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ।

जानकारी अनुसार मृतक 48 वर्षीय देवसरन केवट निवासी ग्राम चांदपुर प्लांट में पेंटिंग का काम कर रहा था, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। तुरंत जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सालय

प्रबंधन का कहना है कि मौत की वजह हार्ट अटैक हो सकती है।

घटना के बाद मृतक के परिजनों ने कंपनी पर आरोप लगाते हुए बताया कि प्रबंधन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को आनन-फानन में घर भेजने की कोशिश कर रहा था। परिजन ने मांग की है कि मौत के असली कारणों की निष्पक्ष जांच हो, पोस्टमार्टम कराया जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और नौकरी दी जाए।

एमबी पावर के जनसंपर्क अधिकारी गौरव पाठक ने बताया कि मजदूर को चक्कर आने के बाद इलाज के लिए चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि परिजनों को ही पोस्टमार्टम के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। दूसरी तरफ, परिजन लिखित आश्वासन और कानूनी कार्यवाही की मांग को लेकर गेट पर प्रर्दशन किया समझाईस के बाद मामला समाप्त हो गया।

एसडीओपी नवीन तिवारी ने बताया कि परिजन की मांग पर कंपनी प्रबंधन ने लिखित में नियतानुसार सहायता और लाभ जो भी बनता है, का आश्वासन दिया है। जिसके बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने पर माने और स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में पोस्टमार्टम उपरांत शव को परिजन ले गये।

7 मई से शुरू होंगी एमपी बोर्ड की द्वितीय परीक्षाएं

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। मध्यप्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की द्वितीय परीक्षा 7 मई से प्रारंभ होने जा रही है। परीक्षा को सुचारू एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में अनूपपुर जिले में परीक्षा केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के दौरान अनुशासन, पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखी जाए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस बीच बोर्ड द्वारा परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र एमपी ऑनलाईन के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। विद्यार्थी वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए प्रवेश-पत्र अनिवार्य होगा।

भाजपा की विशेष कामकाजी बैठक

कोतमा, नवभारत, 5 मई। भारतीय जनता पार्टी मंडल कोतमा की एक महत्वपूर्ण एवं विशेष कामकाजी बैठक संपन्न हुई। यह बैठक भाजपा जिला प्रभारी संजय साहू की गरिमामयी उपस्थिति एवं मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन के कुशल नेतृत्व में आयोजित की गई।

संगठनात्मक समीक्षा एवं परिचय

बैठक का शुभारंभ जिला प्रभारी संजय साहू द्वारा मंडल कोतमा के बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र प्रभारियों, मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों के परिचय के साथ हुआ। चर्चा के दौरान संगठन की मजबूती पर ध्यान केंद्रित करते हुए निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया: बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय होने के निर्देश दिए गए। जिला प्रभारी ने स्पष्ट किया कि आगामी सभी भाजपा कार्यक्रमों में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

शोक संवेदना

बैठक के दौरान एक अत्यंत भावुक क्षण तब आया जब हाल ही में हुए बरगी डेम हादसे में मृत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

रिश्तों को किया कलंकित, 15 वर्षीय भतीजी से फूफा ने किया दुष्कर्म

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के भालूमाड़ा थाना अंतर्गत रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। भाद गांव में रहने वाले फूफा ने अपनी 15 वर्षीय भतीजी (मानसिक कमजोर) को झांसे में लेकर उसके साथ लगातार दरिंदगी करता रहा। किशोरी के लगभग 5 माह के गर्भवती होने एवं पेट में दर्द बने रहने से जानकारी सामने आई।

बेटी के साथ हुई दरिंदगी एवं गर्भवती होने का पता चलते ही किशोरी के माता पिता के थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पर पुलिस ने आरोपी फूफा सीताराम केवट के खिलाफ किशोरी से दुष्कर्म कर गर्भवती एवं पॉक्सो की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर विवेचना कर रहीं हैं। पुलिस पीड़िता का मेडिकल विशेष टीम से कराने एवं न्यायालीन कथन की कार्रवाई भी कर रही है।

जानकारी अनुसार 15 वर्षीय किशोरी को परिजनों द्वारा फूफा के यहां पढ़ाई के लिए वर्ष 2025 में छोड़ा था, कुछ दिनों बाद से फूफा जब भी पीड़िता की बुआ घर में नहीं रहती तो दरिंदगी करने के साथ धमकी देता रहा। 2 माह पूर्व पीड़िता की मां ने रात में आपत्तिजनक हरकत करते पकड़ा भी लेकिन मामला सामने नहीं आ सका। लगातार दैहिक शोषण से भतीजी के गर्भवती होने एवं शारीरिक बदलाव से सच्चाई सामने आई। रिश्तेदारी होने के कारण दोनों परिवार के लोगों का घर आना जाना लगातार बना रहता था। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 64, 65 एवं पॉक्सो की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी फूफा को गिरफ्तार कर लिया है।

कार्यवाही बिजुरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध कारोबार के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

100 नशीले इंजेक्शन जब्त, महिला गिरफ्तार

अनूपपुर, नवभारत, 5 मई। अनूपपुर जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफचलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर एक महिला को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। जप्त किए गए कुल 100 प्रतिबंधित इंजेक्शन अवैध रूप से बिक्री के उद्देश्य से रखे गए थे, जिनकी बाजार में अच्छी-खासी कीमत बताई जा रही है। यह कार्रवाई न केवल क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस की सतर्कता और सक्रियता को दर्शाती है, बल्कि युवाओं को नशे के जाल से बचाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अनुमानित कीमत लगभग 20 हजार

जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को नशीले इंजेक्शनों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 100 नग प्रतिबंधित इंजेक्शन जप्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 20 हजार रुपये बताई गई है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में 4 मई को बिजुरी पुलिस ने कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 7 भालुगुडार बिजुरी निवासी एक महिला अपने घर में भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन छिपाकर बिक्री कर रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी।

दबिश के दौरान आरोपी महिला पुष्पा उर्फरानी सिंह उइके 32 वर्ष के घर की तलाशी ली गई, जिसमें फेनिरामाइन मेलिएट इंजेक्शन आईपी (10 एमएल) 50 नग तथा ब्यूप्रेनॉर्फिन इंजेक्शन आईपी (2 एमएल) 50 नग कुल 100 इंजेक्शन बरामद किए गए। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान आरोपी उक्त इंजेक्शनों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी।

इनकी रही भूमिका

पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा प्रतिबंधित औषधियों को अवैध रूप से बिक्री के उद्देश्य से रखना एनडीपीएस एक्ट एवं औषधि अधिनियम का उल्लंघन है, जो संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। इस पर पुलिस ने धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट एवं संबंधित औषधि अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने यह नशीले इंजेक्शन कहां से प्राप्त किए और इसके पीछे कौन नेटवर्क है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक प्रभाकर पटेल, आरक्षक लक्ष्मण डांगी, मनोज उपाध्याय, रवि सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।